MAHARISHI MAHESH YOGI VEDIC VISHWAVIDYALAYA

DIRECTORATE OF DISTANCE EDUCATION

SCHEME FOR M.A. (Sanskrit)

Second Year

S. No.	Paper Code	Paper No.	Paper Name	Max. Marks			
				Theory	Practical	Assignment	Total
1.	2DMASKT1	I	महर्षि वेद विज्ञान - II	70	-	30	100
2.	2DMASKT2	II	भारतीय काव्यशास्त्र	70	-	30	100
3.	2DMASKT3	III	दृश्यकाव्य एवं नाट्यशास्त्र	70	-	30	100
4.	2DMASKT4	IV	संस्कृति, धर्मशास्त्र एवं पुराणोतिहास	70	-	30	100
5.	2DMASKT5	V	महाकाव्य	70	-	30	100

MMYVDE

महर्षि वेद विज्ञान - II

(MAHARISHI VEDIC SCIENCE –II)

UNIT – I

Name of 21-40 areas of Vedic Science & their expression in Human Physiology and detail with diagram.
Consciousness, types of consciousness, characteristics of higher stages of consciousness.

UNIT – II

Introduction to Maharishi Gandharva Veda
Introduction to Maharishi Sthapatya Ved

UNIT – III

Introduction to Maharishi Vedic Management
Fundamental Elements of Vedic Management:- Totality
Ideal Management in Indian Society (Ashram Vavstha :Cast, Religious)
Management Science and Art.

UNIT – IV

Maharishi Absolute theory of Defence.
Maharishi Absolute theory of Development.
Maharishi Absolute theory of Information.

UNIT – V

Maharishi's Swasthya Vidhan.
Scientific Research based on T.M. & T.M. Sidhi Programme.

Suggested Readings:

Maharishi Sandesh -1and 2 , II-His Holiness Maharishi Mahesh YogiJee
Scientific Yoga Ashanas –Dr.Satpal.
Chetna Vigyan His Holiness Maharishi YogiJee.
Dhyan Shailly by Brahmchari Dr. Girish Ji

MMVVDDE

महर्षि वेद विज्ञान – II
(Maharishi Vedic Science – II)

प्रथम इकाई – महर्षि वैदिक वांगमय के 21 से 40 क्षेत्रों के गुण एवं मानव गायकी में स्थान – रेखाचित्र सहित। चेतना, चेतना के प्रकार , विशेषताएं, उच्चत्तम अवस्था ।

द्वितीय इकई –

1. महर्षि गन्धर्वेद का साामान्य परिचय
2. महर्षि स्थापत्य वेद का सामान्य परिचय

तृतीय इकाई –

1. महर्षि वैदिक प्रबंधन का परिचय
2. वैदिक प्रबंधन के मौलिक तत्व (मूलभूतत्व)
3. भारतीय समाज में आदर्श प्रबंधन (आश्रम व्यवस्था , जाति एवं धर्म)
4. प्रबंधन विज्ञान एवं कला

चतुर्थ इकाई –

महर्षि सुरक्षा सिद्धान्त, महर्षि पूर्ण विकास का सिद्धान्त महर्षि सूचना सिद्धान्त

पंचम इकाई –

1. महर्षि स्वास्थ्य विधान
2. भावातीत ध्यान एवं भावातीत ध्यान सिद्धि कार्यक्रम वैज्ञानिक शोध के आधार पर ।

पुस्तकें – महर्षि संदेश प्रथम एवं द्वितीय भाग – ''महर्षि'' योग आसन – डा0 सतपाल
चेतना (चेतना विज्ञान) – महर्षि जी
भावातीत ध्यान शैली – डॉ. गिरीज जी

MYVIDE

भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई – 1

काव्यप्रकाश प्रथम उल्लास से चतुर्थ उल्लास रस भेद तक

इकाई – 2

काव्यप्रकाश सप्तम उल्लास से रस दोष तथ अष्टम उल्लास

इकाई – 3

नवम उल्लास एवं दशम उल्लास से अधोलिखित अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण ।

अनुप्रास, यमक, उपमा (भेद रहित), रूपक, निदर्शना, अपह्नुति, विभावना, विशेषोक्ति, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, व्यतिरेक, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, दीपक, विरोध, परिकर।

इकाई – 4

काव्यालंकार प्रथम अध्याय – भामह

काव्यालंकारसत्रवृत्ति प्रथम अधिकरण – वामन

इकाई – 5

ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन प्रथम उद्योत

MYVIDE

दृश्यकाव्य एवं नाट्यशास्त्र

इकाई 1–

नाट्यशास्त्र –भरतमुनि (अध्याय 1 एवं 2)

नाट्यशास्त्र –भरतमुनि (षष्ठ अध्याय)

इकाई 2–

दशरूपक–धनजंय

प्रथम प्रकाश (संधिभेद छोड़कर)

दशरूपक–धनजंय

(द्वितीय एवं तृतीय प्रकाश)

(नायक एवं नायिका के सामान्य भेद, रूपक के प्रकार)

इकाई 3–

मृच्छकटिक (व्याख्या 1 से 4 अंक)

इकाई 4–

वेणीसंहार

(व्याख्या 1 से 4 अंक)

इकाई 5–

रत्नावली

(सम्पूर्ण व्याख्या)

MMVVDDE

संस्कृति, धर्मशास्त्र एवं पुराणोतिहास

इकाई – 1

कौटिल्य अर्थशास्त्र ।

विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण ।

इकाई – 2

संस्कृति का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, संस्कृति के तत्व, भारतीय संस्कृति का विकास, संस्कृति और सभ्यता में अंतर, भारतीय संस्कृति का अन्य संस्कृतियों पर प्रभाव व सम्बन्ध।

मनुस्मृति – धर्म का लक्षण, धर्म के घटक, विवाह के भेद पुत्र के प्रकार, राजधर्म, सृष्टि प्रक्रिया संस्कार, राजव्यवस्था, उत्तराधिकार, वर्णाश्रम।

इकाई – 3

संस्कृत साहित्य में समाज, जीवन मूल्य, राष्ट्रीयता, नवाचार (संस्कृत में अभिनव प्रयोहग) तथा स्वतन्त्रता संग्राम।

आषकाव्य रामायण एवं महाभारत – (1) उत्तरवर्ती साहित्य पर प्रभाव

(2) आधुनिक युग में प्रासंगिकता (3) मानवीय मूल्य (4) पर्यावरण चिन्तन

इकाई – 4

पर्यावरण शब्द की व्युत्पत्ति , अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, पर्यावरण के तत्व, पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले घटक, पर्यावरण की प्राचीन अवधारणा, पर्यावरण संरक्षण के उपाय एवं संस्कृत साहित्य में पर्यावरण।

इकाई – 5

इतिहास का स्वरूप , महत्व, स्त्रोत तथा इतिहास एवं पुराण में अतः सम्बन्ध। प्रमुख पुराणों का परिचय एवं प्रतिपाद्य। संस्कृत की प्रमुख पत्रिकाओं का परिचय।

MMYVDDE

महाकाव्य

इकाई 1–

शिशुपाल वध–प्रथम सर्ग माघ

दो पद्यों की व्याख्या

इकाई 2–

नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग श्रीहर्ष

(पद्य संख्या 01 से 75 तक दो पद्यों की व्याख्या)

इकाई 3–

नैषधीयचरितम्– प्रथम सर्ग श्रीहर्ष

(पद्य संख्या 76 से अन्त तक दो पद्यों की व्याख्या)

इकाई 4–

रघुवंश त्रयोदश सर्ग – कालिदास

(दो पद्यों की व्याख्या)

इकाई 5–

महाकाव्य का स्वरूप, उद्भव और विकास

अथवा इकाई एक से चार तक निर्धारित किसी एक महाकाव्य पर समीक्षात्मक प्रश्न

MMYVDDE